१५/०२/२३

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी की इच्छुक वादिनी की ओर से कोई उपस्थित नहीं है। न्यायालय परिसर के बाहर बार - बार आवाज लगवाई गई बावजूद आवाज के भी कोई हाजिर नहीं आया। इससे प्रतीत होता है कि वादिनी अपने वाद के प्रति उदासीन है। ऐसा वाद को आगे चलाना नहीं चाहती। अतः वाद वादिनी अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल - शुमार होकर नम्बर से कम हो। दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Brijendra Meena
Date: 2023.06.14 13:16:02 IST
Reason: SelfAttested